भाकृअनुप-डीजीआर समाचार पत्र

अंक XX, क्रमांक 2, अप्रैल-जून, 2021

ICAR-DGR Newsletter

Vol. XX, No. 2, April-June 2021

1. भाकृअनुप- डीजीआर में मूँगफली पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की वार्षिक समूह बैठक — 1. Annual group meeting of AICRP-G 2021 — 1
2. स्पेनिश मूँगफली में ताजा बीज सुषुप्तता — 2. Fresh seed dormancy in Spanish groundnut — 3
3. मूँगफली में ईयरविग्स का प्रकोप — 3. Incidence of Earwigs in groundnut — 3
4. फली की परिपक्वता और उपज के लिए शेलिंग प्रतिशत और पूर्ण परिपक्व कर्नेल संभावित चयन मानदंड है — 4. Shelling Percentage and Sound Mature Kernel are possible selection criteria for pod maturity and yield — 4
5. पॉलीहाउस में उगाई गई मूँगफली पर मकड़ी का प्रकोप — 5. Incidence of spider mites on groundnut grown under polyhouse condition — 5
6. उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर किसान जागरूकता अभियान — 6. Framers' awareness campaign on balanced use of fertilizers — 5
7. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस — 7. International Yoga-day — 7
8. भाकृअनुप-डीजीआर में 28-30 जून 2021 तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं किसान गोष्ठी का आयोजन — 8. Three-days Training program-cum-*Kisan Goshthi* held at ICAR-DGR — 8
9. नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास)-जूनागढ़ की वर्ष 2021 की प्रथम छ माही बैठक — 10
10. आमंत्रित व्याख्यान — 10. Invited Lectures — 10
11. कार्मिक — 11. Personnel — 11

संपादक: सुष्मिता सिंह, कीर्ति रानी, राजा राम चौधरी, लोकेश कुमार, वी. पापा राव, विद्या चौधरी, अजय बी.सी., राजन्ना जी. ए., महेश कुमार महात्मा, ए. एल. सिंह

Editors : Sushmita Singh, Kirti Rani, Raja Ram Chaudhary, Lokesh Kumar, V. Papa Rao, Vidhya Chaudhary, Ajay B. C., Rajanna G. A., Mahesh Kumar Mahatma, A. L. Singh

हमसे जुड़ें - Connect with us : YouTube

प्रकाशक :
निदेशक
भाकृअनुप- मूंगफली अनुसंधान निदेशालय
(आई. एस. ओ 9001:2015 प्रमाणित संस्थान)
पोस्ट बोक्स नं. 5, इवनगर रोड़, जूनागढ़-362001, गुजरात, भारत
वेबसाइट: www.dgr.org.in, ईमेल: director.dgr@icar.gov.in
फेक्स: +91 -285-2672550, फ़ोन: +91-285-2673041, 2672461

Published by:
Director
ICAR-Directorate of Groundnut Research
(An ISO 9001:2015 Certified Institute)
PO Box 5, Ivnagar Road, Junagadh-362001, Gujarat, India
website: www.dgr.org.in, e-mail: director.dgr@icar.gov.in
Fax: +91 -285-2672550, Phone: +91 -285-2673041, 2672461

भाकृअनुप-डीजीआर में मूँगफली पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की वार्षिक समूह बैठक

मूंगफलीपर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की वार्षिक समूह बैठक (एजीएम) ऑनलाइन मोड के माध्यम से भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय में 11-12 मई, 2021 को आयोजित की गई ।डॉ. ए.एल सिंह, निदेशक भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़ ने डॉ. टी.आर. शर्मा, डीडीजी,(फसल विज्ञान),सत्र के अध्यक्ष तथा डॉ. संजीव गुप्ता, एडीजी (तिलहन और दलहन),सत्र के सह-अध्यक्ष के साथ विभिन्न संस्थानों के निदेशकों और मूँगफली पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना व मूँगफली अनुसंधान निदेशालय के सभी विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों का स्वागत किया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए एआईसीआरपीइजी की वार्षिक बैठक में लगभग 120

Annual Group Meeting of All India Coordinated Research Project on Groundnut at ICAR-DGR

Annual Group Meeting (AGM) of All India Coordinated Research Project on Groundnut was held at ICAR-DGR on May 11-12, 2021, through online mode. Dr. A. L. Singh, Director ICAR-DGR, Junagadh welcomed Dr T. R. Sharma, DDG (CS) and the chairman of the session and Dr. Sanjeev Gupta, ADG (O&P) and the co-chairman, along with all the Directors of various Institutes, the experts, scientists from AICRP-G and DGR. About 120 participants attended the Annual General meeting of

प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ टी.आर. शर्मा, डीडीजी (फसल विज्ञान) ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि तिलहन और दलहन देश की बड़ी चुनौतियां हैं, इसलिए इन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाये । सत्र के अध्यक्ष ने जारी की गई दो जैव-फोर्टिफाइड मूँगफली की किस्मों गिरनार 4 और गिरनार 5 की सराहना कि और मूँगफली की फसल के आनुवंशिक आधार को व्यापक बनाने और केंद्र विशिष्ट उद्देश्यों के साथ लक्षित प्रजनन

दृष्टिकोण अपनाने के लिए पूर्व-प्रजनन पर विशेष जोर दिए जाने कि बात कही । आगे कहा कि प्राथमिक लक्ष्य उच्च ओलिक किस्मों के साथ-साथ लौह और जिंक की उच्चमात्रा वाली किस्मों को विकसित करने का भी हो । डॉ. संजीव गुप्ता, एडीजी (तिलहन और दलहन), भाकृअनुप ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और इस बात पर प्रकाश डाला कि विशेष रूप से राजस्थान में सफेद ग्रब (लट) और दीमक के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। उनके प्रबंधन पर एक तकनीकी बुलेटिन प्रकाशित किया जाना चाहिए। सूखा प्रतिरोधी किस्मों की पहचान करने और बीज श्रृंखला में उन्हें बढ़ावा देने की आवश्यकता है। मूँगफली में एफ्लाटॉक्सिन संदूषण के निदान के लिए वायरस प्रतिरोध, विशेष रूप से पीबीएनडी और पीएसएनडी तथा लागत प्रभावी किट पर काम प्रभावी रूप से किया जाये।

AICRPG via video conferencing. Dr T.R. Sharma, DDG (CS) addressed the participants emphasizing that oilseeds and pulses are big challenges of the country, hence may be given utmost priority. The Chairman appreciated the release of two bio-fortified groundnut varieties, Girnar 4 and Girnar 5. He mentioned that pre-breeding should be given major emphasis to broaden the genetic base of the groundnut crop and take up targeted breeding approaches with centre specific objectives. Priorities target to develop high oleic varieties as well as high Fe and Zn content varieties. Dr. Sanjeev Gupta, ADG (O&P), ICAR welcomed the participants and highlighted that focus should be on management of white grub and termite especially in Rajasthan. A technical bulletin on their management should be published. Drought tolerant varieties need to be identified and promoted in seed chain. Strengthen work on virus resistance, particularly PBND and PSND, cost effective kits to diagnose the aflatoxin contamination in groundnut.

स्पेनिश मूँगफली में ताजा बीज सुषुप्तता

स्पेनिश मूँगफली भारत में रबी-ग्रीष्मकालीन ऋतू में काफी क्षेत्रफल (7.5 लाख हेक्टेयर) में उगाई जाती है। अचानक हुई बारिश से स्पेनिश मूँगफली में हार्वेस्टिंग से पहले बीज अंकुरण के कारण उपज में काफी हानि होती है। फली के गीला होने से एफ्लाटॉक्सिन उत्पन्न होने की भी संभावना बढ़ जाती है जिसके परिणाम स्वरूप बीज की गुणवत्ता कम हो जाती है। इसलिए, बेमौसम बारिश के कारण खेत में बीज अंकुरण को रोकने के लिए 15 दिनों की अवधि के लिए ताजा बीज सुषुप्तता वाली स्पेनिश मूँगफली की किस्मों का विकास आवश्यक है। बीज सुषुप्तता को स्पेनिश मूँगफली में मातृ ऊतक द्वारा, जबकि वर्जीनिया स्पेनिश मूँगफली में इसे टेस्टा के अलावा बीजपत्र और भ्रूण अक्ष द्वारा नियंत्रित किया जाता है। फसल सुधार इकाई, भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय के प्रयासों के परिणामस्वरूप ताजा बीज सुषुप्तता के लिए स्पेनिश मूँगफली जीनोटाइप की पहचान की गई। दो साल (खरीफ 2019 और 2020 और ग्रीष्मकालीन 2019 और 2020) के दौरान ताजा बीज सुषुप्तता और फली उपज के लिए उन्नत प्रजनन लाइनों के मूल्यांकन से 15 दिन से अधिक ताजा बीज सुषुप्तता वाली 9 प्रजनन लाइनों पीबीएस 14060,14068,16044, 11077, 11092, 15027, 15028, 16023 और 16038 की पहचान की गई । ये ताजा बीज सुषुप्तता रखने वाली स्पेनिश प्रजनन लाइनें, ताजा बीज सुषुप्त मूँगफली विकसित करने में उपयोगी दाता होगी। इन आशाजनक प्रजनन लाइनों का मूल्यांकन आलू/चावल परती प्रणालियों में उनकी अनुकूलता के लिए किया जा सकता है।

इनपुट्स: गंगाधार के, सुष्मिता सिंह, अजय बी.सी, नरेंद्र कुमार, कोना प्रवीण औरकीर्ति रानी

मूँगफली में ईयरविग्स का प्रकोप

ईयरविग्स डेमाप्टेरा ऑर्डर के हैं। पिछले उदर खंड पर पिंसर जैसी संरचना को देखकर इन कीड़ों को आसानी से पहचाना जा सकता है। वे झिल्लीदार पंखों को भी संसाधित करते हैं जो उन्हें डर्माप्टेरा नाम देता है। ये छोटे कीड़े हैं जो मिट्टी की दरारों में रहते हैं। इयरविग्स निविदा मूँगफली की फली को छेद कर नुकसान पहुंचाते हैं और दानों को खाने के बाद वे फली को कीचड़ या मल से भर देते हैं। परिपक्व फली पर इयरविग दाने को नुकसान नहीं पहुंचा सकता है लेकिन हम नारंगी या भूरे रंग के धब्बे देख सकते हैं जो प्रविष्टियां करने की कोशिश करता है। पिछले दो वर्षों से ईयरविग्स की घटनाएं दर्ज की गई हैं। मूँगफली में 2 से 5 प्रतिशत नुकसान दर्ज किया गया है, काली मिट्टी में ईयरविग की क्षति देखी जा सकती है। वे दरारों में छिप जाते हैं और रात के समय वे फली को नुकसान पहुंचाते हैं। मूँगफली में *Euborelliastalli* की घटना को पिछले शोधकर्ता द्वारा पहले दर्ज किया गया था।

Groundnut pods damaged by Earwig

इनपुट: हरीश जी

Fresh seed dormancy in Spanish groundnut

Spanish groundnut occupies considerable area (7.5 lakh ha) in Rabi-Summer groundnut in India. Sudden rainfalls at the time of harvesting causes significant yield losses due to pre harvest sprouting in case of Spanish groundnut. Wetting of pod may also causes increased susceptibility to aflatoxin contamination consequently reduced quality of seed. Hence, development of Spanish groundnut varieties with fresh seed dormancy for a period of 15 days is essential in order to prevent in situ germination in the field due to un seasonal rains. Seed dormancy is controlled by a maternal tissue in Spanish type where as in *Virginia* groundnut it is regulated by cotyledons and embryonic axis in addition to testa. Efforts of crop Improvement unit, ICAR-Directorate of Groundnut Research resulted in identifying Spanish groundnut genotypes with fresh seed dormancy. Two years (*kharif* 2019 and 2020 and summer 2019 and 2020) evaluation of advanced breeding lines for fresh seed dormancy and pod yield identified nine breeding lines PBS14060, 14068, 16044, 11077, 11092, 15027, 15028, 16023 and 16038 with more than 15 days fresh seed dormancy. These Spanish breeding lines possessing fresh seed dormancy will be useful donors for developing fresh seed dormant groundnut. These promising breeding lines can be evaluated in potato/rice fallows systems for their adaptability.

Inputs: Gangadhara K, Sushmita Singh, Ajay B.C, Narendra Kumar, Kona Praveen & Kirti Rani

Incidence of Earwigs in groundnut

Earwigs belong to the order Demaptera. These insects can be easily identified by looking into pincers like structure on last abdominal segment. They also process membranous wings which gives them the name *dermaptera*. These are tiny insects which live in cracks and crevices of the soil.

Earwigs damage tender groundnut pod by boring holes and feeding on the kernels after feeding they fill the pods with mud or excreta. On mature pods earwig cannot damage kernels however we can see orange or brownish spots it tries to make entries. Incidence of earwigs has been recorded since last two years. Two to five percent damage has been recorded in groundnut, earwig damage can be seen in black soils. They hide in cracks and crevices and during night time they damage pods. *Euborelliastalli* incidence was recorded earlier by previous researcher in groundnut.

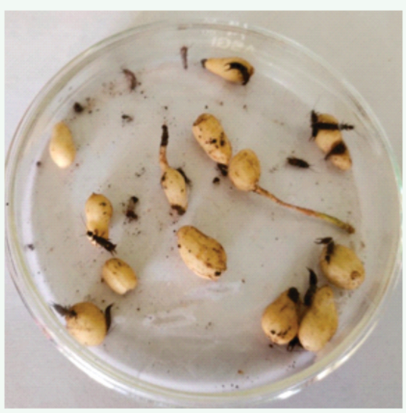

Earwigs feeding on pods

Input: Harish G

मूँगफली की परिपक्वता और उपज के लिए शेलिंग प्रतिशत और पूर्ण परिपक्व दाने संभावित चयन मानदंड हैं

शेलिंग प्रतिशत,दाने की उपज का फली उपज से अनुपात है अर्थात किसी दिए गए फली के वजन में दाने के वजन का भाग। शेलिंग प्रतिशत एक महत्वपूर्ण गुण है जिसका आम तौरपर छिलके वाली मूँगफली के व्यापारिक लेनदेन में उपयोग किया जाता है। पानी के अभाव में फली का भराव अच्छा नही होता है जिससे दाने का आकार, शेलिंग प्रतिशत और पूर्ण परिपक्क कर्नेल कम हो जाते है। आईसीएआर-डीजीआर, जूनागढ़ में तीन वर्षों के दौरान चार वनस्पति समूहों से संबंधित 96 मूँगफली के विविध एक्सेसंस का मूल्यांकन किया गया। चार वानस्पतिक प्रकारों से संबंधित सभी एक्सेसंस में महत्वपूर्ण अंतर देखा गया। वानस्पतिक समूह वर्जीनिया के एक्सेसंस में स्पेनिश की तुलना में देर से फूल आते है और देर से पकते हैं। फली परिपक्कता के घटक लक्षणों जैसे कि पहले फूल आने का समय (दिनों में) और 50% फूल आने का समय (दिनों में) का जीनोटाइपिक और फेनोटाइपिक सह संबंध विश्लेषण, शेलिंग प्रतिशत औरपूर्ण परिपक्क दाने के साथ नकारात्मक रूप से सह संबद्ध है। आगे,बीज का आकार बीज की लंबाई से चौड़ाई के अनुपात द्वारा तय किया जाता है, जो शेलिंग प्रतिशत और पूर्ण परिपक्क दाने के साथ नकारात्मक रूप से सह संबद्ध होता है। इसलिए विशेष रूप से छोटी अवधि/सूखा सहनशील मूँगफली किस्मों को विकसित करने में फली परिपक्कता और फली उपज का आकलन करने के लिए शेलिंग प्रतिशत और पूर्ण परिपक्क दाने ये दो उचित लक्षण हैं।

इनपुट्स: गंगाधार के, सुष्मिता सिंह, अजय बी.सी, नरेंद्र कुमार, कोना प्रवीण औरकीर्ति रानी

Shelling Percentage and Sound Mature Kernel are possible selection criteria for groundnut maturity and yield

Shelling percentage is the ratio of seed yield to pod yield *ie* proportion of the seed mass in a given mass of pods. Shelling per centage is an important attribute commonly used in trade transactions, where it involves unshelled groundnut. Under water stress there is poor pod filling that reduced kernel size, shelling percentage and SMK %.Ninety-six diverse groundnut accessions belongs to four botanical groups were evaluated for three years at ICAR DGR, Junagadh. The significant differences were observed among all the accessions belonging to four botanical types. Among the botanical groups Virginia type of accessions mature late and delayed flowering compared to Spanish type. Genotypic and phenotypic correlation analysis of component traits of pod maturity like days to first flowering and days to 50% flowering are significantly negatively correlated with SP and SMK. Further seed size is decided by seed length to width ratio, which in turn correlated significant negatively with SP and SMK. Hence it is proposed that shelling percentage (SP) and sound mature kernel (% SMK) are two pertinent traits to assess the pod maturity and pod yield specifically in developing short duration/drought tolerant groundnut varieties.

Inputs: Gangadhara K, Sushmita Singh, Ajay B.C, Narendra Kumar, Kona Praveen & Kirti Rani

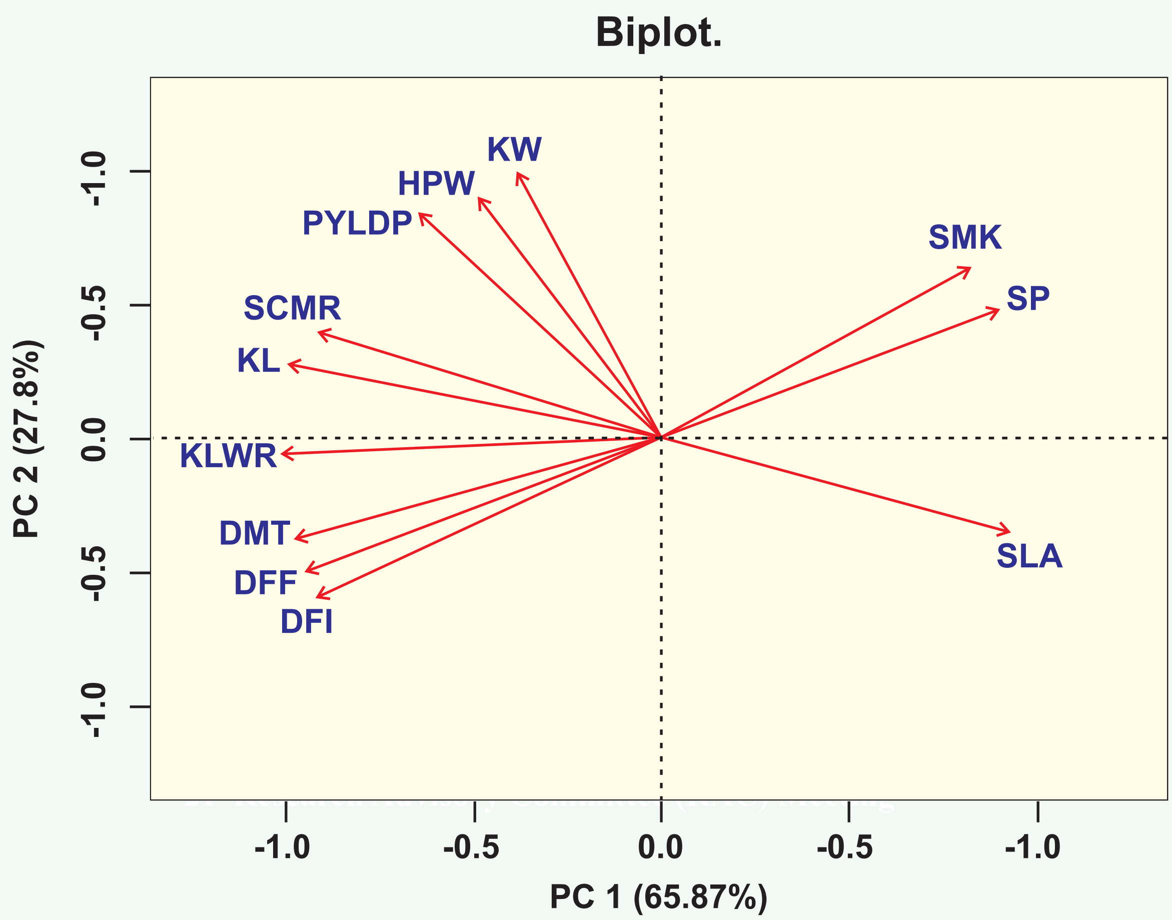

पॉलीहाउस में उगाई गई मूंगफली पर मकड़ी का प्रकोप

पॉलीहाउस की स्थिति में माइट्स आम कीटों में से एक हैं, वे पॉलीफेगस हैं और कई फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं। मकड़ी Tetranychidae परिवार से संबंधित हैं, ये माइट्स आमतौर पर पत्ती के नीचे फ़ीड करते हैं। वे सुरक्षात्मक रेशम जाले भी स्पिन करते हैं। पिछले शोधकर्ताओं ने मूँगफली में टू स्पॉटेड स्पाइडर माइट *Tetranychusurticae* (कोच) की घटना को दर्ज किया है। *Tetranychusurticae* मूँगफली का एक छोटा कीट है। घुन से ग्रसित पत्तियाँ पीली होकर सूख जाती हैं। घुन से पीड़ित पौधे व्यापक बद्धी दिखाते हैं और माइट्स के बड़े संयोजन के कारण पौधे का शीर्ष लाल रंग की दिखाई देती हैं।

इनपुट: हरीश जी और वी. पापा राव

Spider mite infestation

Incidence of spider mites on groundnut grown under polyhouse condition

Mites are one of the common pests under poly housecondition, they are poly phagouse and damage several crops. Spider mites belong to family Tetranychidae, these mites generally feed underside of the leaf. They also spin protective silk webs. Previous researchers have reported incidence of Two Spotted Spider Mite *Tetranychusurticae* (Koch) in groundnut.

Tetranychusurticae is a minor pest of groundnut. Mites infested leaves show yellowing and drying. The mite infested plants show extensive webbing and plant tips appear reddish because of large assemblage of mites.

Input: Harish G and V. Papa Rao

भाकृअनुप-डीजीआर में किसान जागरूकता अभियानव किसान गोष्ठी का आयोजन

18 जून 2021 को भाकृअनुप- मूँगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़ में "उर्वरकों के संतुलित उपयोग" पर किसान जागरूकता अभियान व किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें जूनागढ़ के मनकेतरा, इनाज, धाबावाड़, चित्री और वाड़ला गांवों के 42 किसान समेत कुल 60 प्रतिभागियों शामिल हुए । डॉ. रिंकू डे (कार्यक्रम की अध्यक्ष) ने कार्यक्रम का विवरण दिया और वक्ताओं का परिचय दिया। निदेशक, डीजीआर (डॉ. ए.एल. सिंह) ने उद्घाटन भाषण दिया और पोषक तत्वों के उपयोग की दक्षता में सुधार के लिए उर्वरकों के विवेकपूर्ण उपयोग की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. नरेंद्र कुमार गोंटिया, प्राचार्य और डीन, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय, जूनागढ़ थे। डॉ.एन.के. गोंटिया ने पोषक तत्वों की दक्षता बढ़ाने हेतु मिट्टी और जल प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथिडॉ. एसजी सावलिया, प्रोफेसर और प्रमुख, मृदा विज्ञान विभाग, जेएयू, जूनागढ़ थे। डॉ. एस.जी. सावलिया ने उर्वरकों के विभिन्न रूपों के बारे में तथा उनकी विभिन्न फसल प्रणालियों में मिट्टी परीक्षण के आधार पर प्रयोग कि जाने वाली दरों के बारे में बताया। डॉ. केके पाल (प्रधान वैज्ञानिक, सूक्ष्म जीव विज्ञान) ने आईसीएआर-डीजीआर में विकसित विभिन्न जैव उर्वरकों के बारे में बताया। जिनका उपयोग सूखे, लवणता और कम पोषक तत्वों की स्थितियों में किया जा सकता है।डॉ. सुष्मिता (वैज्ञानिक, पादप कार्यिकी) ने मूँगफली की वृद्धि और विकास में विभिन्न पोषक तत्वों के महत्व के बारे में बताया। डॉ. किरण रेड्डी (वैज्ञानिक, मृदा विज्ञान) ने मृदा स्वास्थ्य कार्ड के महत्व और मिट्टी के नमूने की लेने की प्रक्रिया के विषय में, डॉ. राजन्ना जीए (वैज्ञानिक, सस्य विज्ञान) ने ड्रिप फर्टिगेशन के लाभों और ड्रिप फर्टिगेशन में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के उर्वरकों के बारे में तथा डॉ. राजा राम चौधरी (वैज्ञानिक, सस्य विज्ञान) ने

Farmers' Awareness Campaign-cum-Kisan Gosthi was celebrated at ICAR-DGR

Farmers' Awareness Campaign-cum-Kisan Gosthi on "Balanced use of fertilizers" was celebrated at ICAR-DGR, Junagadh on 18 June 2021. Total No. of Participants was 60 including 42 farmers from Manketra, Inaaz, Dhrabawad, Chitri and Vadala Villages of Junagadh. Dr. Rinku Dey (Chairperson of the event) gave the details of the event and introduced the speakers of the event. Director, DGR (Dr. AL Singh) gave the opening remarks and highlighted the need for judicious use of fertilizers for improved nutrient use efficiency. The chief Guest of the event was Dr. Narendra Kumar Gontia, Principal and Dean, College of Agri. Engineering, JAU, Junagadh. Dr. NK Gontia highlighted the importance of soil and water management in enhancing the partial factor productivity of the nutrients applied. The distinguished guest speaker of the event was Dr. SG Savaliya, Professor and Head, Dept. of Soil Science, JAU, Junagadh. Dr. SG Savaliya explained about the different forms of fertilizers to be used, their application rates according to the soil test values in different cropping systems. Dr. KK Pal (Principal Scientist, Microbiology) explained about the different biofertilizers developed at ICAR-DGR which can be used under drought, salinity and low nutrient conditions. Dr.Sushmita (scientist, Plant Physiology) explained about the importance of different nutrient elements in groundnut growth and development. Dr. Kiran Reddy (Scientist, Soil science) explained about the importance of soil health cards and the process of soil sampling. Dr. Rajanna GA (Scientist, Agronomy) explained about the benefits of Drip fertigation and explained in detail about the different type's fertilizers to be used in drip ferigation. Dr. Raja Ram Choudhary (Scientist, Agronomy)

फसल अवशेष प्रबंधन की विभिन्न तकनीकों के बारे में बताया। अंत में, डॉ. के.के. रेड्डी ने सभी प्रभागियों का धन्यवाद किया और यह कार्यक्रम सफलता पूर्वक समाप्त हुआ। कार्यक्रम के अंत में अनुसूचित जाति के किसानों को फार्म किट वितरित किये गये।

explained about different techniques for effective crop residue management. Finally, Dr. KK Reddy gave the vote of thanks and the event was grand success. Farm Kit distribution was done to the SC famers at the end of the event

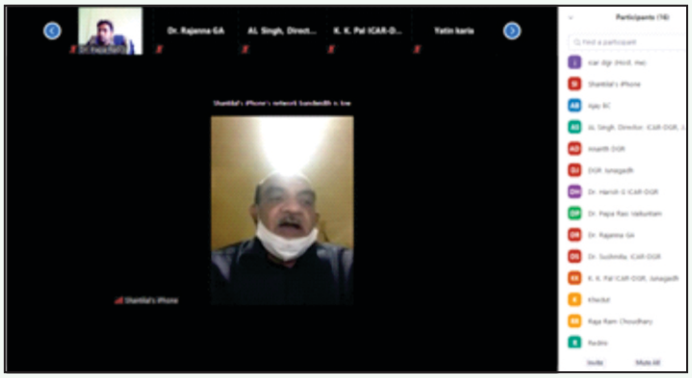

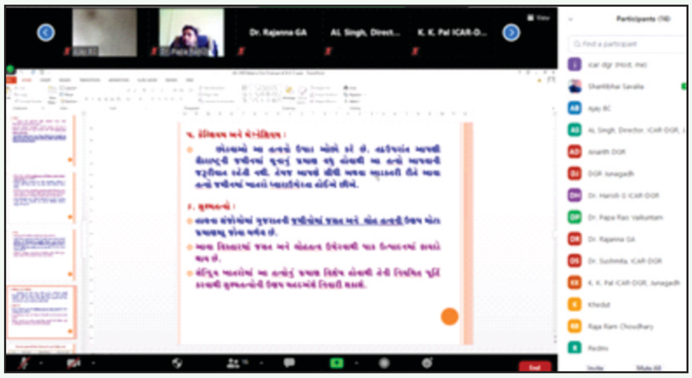

21 जून 2021 को भाकृअनुप-डीजीआर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

हमारे समाज को योग के विषय में जागरूक बनाने एवं प्रतिरक्षा तंत्र को बढ़ाने में इसकी भूमिका को समझने के लिए भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय में 21 जून 2021 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। जिसकी विषय "कल्याण के लिए योग" थी। डॉ. अनंत कुरेला (वैज्ञानिक, पादप रोग-विज्ञान) ने इसआयोजन के नोडल अधिकारी और अध्यक्ष के रूप में काम किया। इस संबंध में, स्टाफ सदस्यों के बीच "योग आसनों के साथ COVID-19 के खिलाफ प्रतिरक्षा कैसे बढ़ाएं" विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन करके अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। स्टाफ सदस्यों द्वारा योग उनके घरों में किया गया था, और एक प्रमाणित योग प्रशिक्षक (जयश्रीबेन लश्करी), जूनागढ़ द्वारा "कोविड-19 के नियंत्रण में योग की भूमिका" पर जूम मीटिंग के माध्यम से 21 जून 2021 को एक व्याख्यान भी आयोजित किया गया। लगभग 50 स्टाफ सदस्यों ने सभी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने परिवार के सदस्यों और पड़ोसियों को योग के बारे में जागरूकता पैदा करने में अपनी अहम भूमिका निभाई। विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए और सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार दिए गए। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम भव्य एवं सफल रहा।

International Yoga-day celebrated at ICAR-DGR on 21st June 2021

ICAR- Directorate of Groundnut Research, Junagadh has celebrated International Yoga Day on 21st June 2021 to create and spread awareness on yoga and its role in boosting immunity, which is the need of the hour. "**Yoga for well-being**" was the theme of the yoga day. Dr. Ananth Kurella (Scientist, Plant Pathology) acted as Nodal officer and Chairman of the event. In this regard, we have organized the International Yoga Day by conducting activities like the Essay Writing competition on "How to Increase Immunity against COVID-19 with Yoga Asanas" among the staff members. Physical yoga by staff members was done at their respective quarters/houses, and a Lecture on "Role of Yoga in COVID-19 situation by a certified yoga trainer (Jayashriben Lashkari), Junagadh through zoom meeting was also held on 21st June 2021. About 50 staff members have actively participated in all the activities and did their part in creating awareness on yoga to their family members and neighbours. Prizes were distributed to the winners and consolation prizes were given to all the participants. Overall the program was a grand success

निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को उपहार वितरण
Gift distribution to the winners of Essay competition

पहला पुरस्कार- श्री यतिन करिया
1st Prize- Sh. YatinKaria

दूसरा पुरस्कार- श्रीसुरेश सचानिया
2ndPrize- Sh. Suresh Sachaniya

तीसरा पुरस्कार- श्री जिग्नेश परमार
3rd Prize- Sh. Jignesh Parmar

चौथा पुरस्कार- श्री केवल पाठक
4th Prize- Sh. Keval Pathak

भाकृअनुप-डीजीआर में 28-30 जून 2021 तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं किसान गोष्ठी का आयोजन

"भारत का अमृत महोत्सव-भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्ष" के अंतर्गत प्रशिक्षण श्रृंखला को जारी रखते हुए, भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़ में "लाभकारी खरीफ मूँगफली उत्पादन के लिए उन्नतपद्धतियाँ" विषय पर 28-30 जून 2021 के दौरान तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं किसान गोष्ठी भौतिक और आभासी दोनों प्रकार में आयोजित किया गया। इस आयोजन में कुल 166 किसानों ने भाग लिया। डॉ. हरीश जी (वैज्ञानिक, कीट विज्ञान) ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक तथा डॉ. किरण रेड्डी (वैज्ञानिक, मृदा विज्ञान) एवं डॉ. कीर्ति रानी (वैज्ञानिक, पादप प्रजनन) ने कार्यक्रम के सह-संयोजक के रूप में कार्य किया। इस कार्यक्रम में वासपड़ा गांव के लगभग 60 किसान (28.06.21), गाठीला गांव के 38 किसान, अचिदरा गांव के 07 किसान, बोलस गांव के 06 किसान, सुखपुर गांव के 03 किसान और छपरी गांव के 09 अनुसूचित जाति किसान (29.06.2021), रुदलपुर गांव के 28 किसानों और जूनागढ़ जिले के खड़पिपली गांव के 15 अनुसूचित

Three-day Training program-cum-*Kisan Gosthi* held at ICAR-DGR from 28-30 June 2021

"Three-day training programme-cum *Kisan Gosthi*" on "Improved practices for remunerative *kharif* groundnut production" was conducted at ICAR-DGR, Junagadh from 28-30 June 2021 as a part of training series under the "*Bharat ka Amrut Mahotsava*-75 years of celebration of Indian Independence". The programme was conducted in both physical and virtual mode. A total of 166 farmers have participated in the event. Dr. Harish G (Scientist, Entomology) acted as the Convener of the Training program and Dr. Kiran Reddy (Scientist Soil science) and Dr. Kirti Rani (Scientist, Plant Breeding) acted as Co-conveners of the event. In this programme about 60 SC farmers from Vasapda village (28.06.21), 38 SC farmers from Ghatila village, 07 SC farmers from Achidra Village, 06 farmers from Bolas village, 03 farmers from Sukhpur village and 09 farmers from Chapari village (29.06.21) and 28 SC farmers from

जाति के किसानों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया (30.06.21)। मूँगफली में उत्पादन तकनीकों के बारे में किसानों को जागरूक करने के लिए कई व्याख्यान आयोजित किए गए। डॉ. केके पाल (प्रमुख वैज्ञानिक, सूक्ष्म जीव विज्ञान और अध्यक्ष एससीएसपी) ने परिचयात्मक टिप्पणी देते हुए मूँगफली में जैव उर्वरकों की लाभकारी भूमिका के बारे में बताया। सौराष्ट्र क्षेत्र के लिए मूँगफली की महत्वपूर्ण किस्में, मूँगफली में फसल अवशेष प्रबंधन के साथ-साथ संरक्षण कृषि, खरपतवार प्रबंधन, बायोस्टिमुलेंट के उपयोग और मूँगफली में ड्रिप फर्टिगेशन के बारे में किसानों को व्याख्यान दिया गया। किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का महत्व, कशेरुकी नाशीजीवों का प्रबंधन, पोषक तत्वों की कमी का प्रबंधन, मूँगफली में कीट और रोगों के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. ए.एल. सिंह (निदेशक, डीजीआर) ने समापन भाषण दिया। किसानों की आजीविका में सुधार के लिए डीजीआर की एससीएसपी योजना के अंतर्गत कृषि संबंधी कुछ वस्तुओं (कृषि किट) का वितरण कियाऔर मूँगफली साहित्य भी प्रदान किए गए। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम काफी सफल रहा।

Rudalpur village and 15 SC farmers from Khad pipli village (30.06.21) of Junagadh district have participated in the training program. Many lectures were organized to sensitize the farmers about the current production technologies in groundnut. Dr. KK Pal (Principal Scientist, Microbiology and Chairman SCSP) gave the introductory remarks and explained about the beneficial role of bio fertilizers in groundnut. Briefly the lectures were about the important varieties of groundnut for Saurashtra region, crop residue management in groundnut along with conservation agriculture, weed management, use of bio stimulant and drip fertigation in groundnut. Importance of soil health cards, management of vertebrate pests, management of nutrient deficiencies, insect pests and diseases in groundnut were in detail explained to the farmers. Dr. AL Singh (Director, DGR) gave the concluding remarks at the end of the event. We also provided groundnut literature and distributed some agriculture related items (farm kits) under SCSP plan of DGR to improve the livelihood of these farmers. Overall the training program was a grand success

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास)-जूनागढ़ की वर्ष 2021 की प्रथम छमाही बैठक

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास)-जूनागढ़ की वर्ष 2021 की प्रथम छमाही बैठक, भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़ द्वारा, दिनाँक 22 अप्रैल, 2021 को कोरोना महामारी से उत्पन्न परिस्थितियों के कारण ऑनलाईन आयोजित की गयी। बैठक में इस निदेशालय सहित राजभाषा विभाग, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (पश्चिम), मुम्बई तथा नराकास जूनागढ़ के सदस्य कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ऑनलाईन भाग लिया। यह बैठक डॉ. ए. एल. सिंह, निदेशक, भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय एवं अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जूनागढ़ की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। बैठक का संयोजन एवं समन्वयन डॉ. सुष्मिता, हिंदी अधिकारी एवं नराकास सचिव, भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़ द्वारा किया गया। बैठक में भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़ के अलावा जिन नराकास-जूनागढ़ सदस्य कार्यालयों ने भाग लिया, वे इस प्रकार है; केन्द्रीय विद्यालय जूनागढ़, बैंक आफ बड़ौदा, यूको बैंक जूनागढ़, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, भारतीय रेलवे, जूनागढ़, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण केशोद, भारतीय डाक विभाग जूनागढ़, जवाहर नवोदय विद्यालय जूनागढ़ के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें। डॉ. महेश कुमार महात्मा, प्रधान वैज्ञानिक एवं उपाध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय जूनागढ़ के द्वारा इस निदेशालय एवं अन्य नराकास-जूनागढ़ सदस्य कार्यालयों से प्राप्त छमाही रिपोर्ट को संकलित करके प्रस्तुत किया गया। डॉ. सुष्मिता भट्टाचार्या, उपनिदेशक (कार्यान्वयन), ने इस बात पर बल दिया कि सभी सदस्य कार्यालयों द्वारा धारा 3 (3) के अंतर्गत जारी किये जाने वाले कागजात आवश्यक रूप से हिंदी/ द्विभाषी में होना ही चाहिए, नियम 5 का अनुपालन होना चाहिए तथा क और ख क्षेत्रों में होने वाला पत्राचार शत प्रतिशत हिंदी में होना आवश्यक है। कार्यालयों में छमाही के दौरान, राजभाषा कार्यान्वयन समिति दो तिमाही बैठक होना अनिवार्य है। इसी दौरान दो कार्यशालाएँ भी होना चाहिए जिसमें अधिक से अधिक कर्मचारियों एवं अधिकारियों को हिंदी भाषा के लिये प्रशिक्षित किया जाना चाहिये |श्री रनवीर सिंह, मुख्य तकनीकी अधिकारी एवं सदस्य राजभाषा कार्यान्वयन समिति जूनागढ़ ने अपने धन्यवाद ज्ञापन मे निदेशालय के राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों एवं सभी सदस्य कार्यालयों के अधिकारियो एवं कर्मचारियों का आभार प्रकट किया। अंत में अध्यक्ष महोदय ने वर्ष 2021 की 'नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति' (नराकास)-जूनागढ़ की प्रथम छमाही बैठक को संपन्न घोषित किया गया।

आमंत्रित व्याख्यान

निम्न लिखित वैज्ञानिकों ने 11 जून, 2021 को जी. बी. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर में ऑनलाइन आयोजित प्रशिक्षण में व्याख्यान दिया

Invited lectures

The following scientists delivered lectures in online training organized at G.B. Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar on 11 June 2021

वैज्ञानिक का नाम Name of the Scientist	व्याख्यान का विषय Lecture
डॉ. सुष्मिता सिंह Dr. Sushmita Singh	मूँगफली में पोषक तत्वों की कमी एवं उनका प्रबंधन Nutrient deficiencies in Groundnut and their management
डॉ किरण रेड्डी Dr. Kiran Reddy	मूँगफली की उच्च और टिकाऊ उपज के लिए फसल उत्पादन पद्धतियां Crop production practices for higher and sustainable yield of Groundnut
श्री अनंत कुरेल्ला Sh. Ananth Kurella	मूँगफली में एकीकृत रोग प्रबंधन Integrated Disease management in Groundnut

कार्मिक Personnel

सेवा-निवृत्ति Superannuation

नाम : श्री डी.आर. भट्ट
Name : Sh D.R. Bhatt
पदनाम : सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी
Designation : Assistant Chief Technical Officer
दिनाँक : 30 जून, 2021
Date : 30th June, 2021

नाम : श्री एम.बी. खेर
Name : Sh M.B. Kher
पदनाम : सुरक्षा पर्यवेक्षक
Designation : Security Supervisor
दिनाँक : 31 मई, 2021
Date : 31st May, 2021